12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 13 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com Bharat samman

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

हो जाओ सावधान...

Bharat Samman

वर्ष-13 अंक-224 अम्बिकापुर, शनिवार, 17 फरवरी 2024 कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

स्थापना दिवस पर कोसमनारा बाबाधाम में उमड़ी भीड़

हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालु, लिया बाबा का आशीर्वाद

रायगढ़। जिले के ग्राम कोसमनारा स्थित बाबाधाम के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज यहां हजारों की भीड़ देखी गई। कलयुग के भगवान कहे जाने वाले बाबा सत्यनारायण इस जगह पर बीते 26 साल से तपस्या में लीन है। कोसमनारा ग्राम में बैठे बाबा सत्यनारायण आज भगवान के रूप जाने जाते हैं चूंकि कलयुग में दिन हो या रात ठंड हो या गर्मी, बरसात आये या तूफान बाबा सत्यनारायण तपस्या में लीन रहते हैं। आज बाबा को तपस्या में बैठे 26 साल पूरे होनें जा रहे हैं इसको लेकर भव्य आयोजन किया गया। बाबाधाम ट्रस्ट के मुकेश शर्मा ने बताया कि बाबा जी को तपस्या करते हुए आज 26 साल पूरे हो गए। लगातार 26 साल से बाबा जी एक ही जगह में खुले आसमान के नीचे बैठकर तपस्या कर रहे हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर आज सुबह से ही यहां पूजा पाठ का दौर जारी है। साथ ही साथ यहां भंडारे का भी आयोजन किया गया है। जिसमें काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमडी है। बताया गया कि जब बाबा सत्यनारायण बैठे थे तब उन्होंने तीन पत्थरों को शिवलिंग मानकर अपनी जीब उसमें अर्पण किये थे और आज उसी तीन पत्थरों के पास शिवलिंग स्थापित है। आज ही के दिन से उन्होंने तपस्या की शुरूआत की थी इसलिये आज का यहां धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

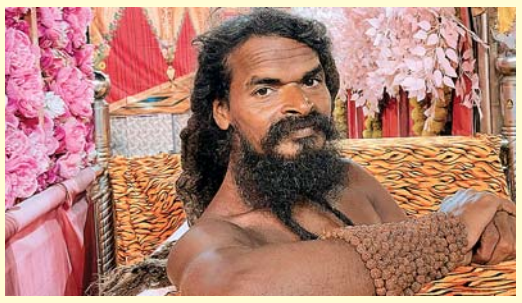

बाबाजी ने किया रूद्राभिषेक

मुकेश शर्मा ने बताया कि बाबाजी सुबह 8 बजे से ध्यान में गए हैं रात 10 बजे वो ध्यान से आए जिसके बाद अपने हाथों से रूद्राभिषेक किया। तत्पश्चात भक्तों को आशीर्वाद देते हुए उन्हे अपने हाथों से प्रसाद वितरण किया। देर रात बाबाधाम में भक्तों के आने का तांता लगा रहा। भक्त बाबाजी का आशीर्वाद लेने धाम में आ रहे थे।

दर्शन करने वालों की मनोकामना होती है पूरी

मुकेश शर्मा ने बताया कि इतनी कठिन तपस्या और कहीं देखने को नही मिलेगी। तेज धूप, बरसात और ठंड में भी बाबा अपनी जगह में बैठे रहते हैं और यहां उठते तक नही। इस जगह पर किसी प्रकार का चमत्कार का दावा नही किया जाता है बल्कि कोई बीमार यहां पहुंचता है तो उसे आशीर्वाद देकर अच्छे से उपचार कराने को कहा जाता है। अब विदेशों से भी लोग यहां आने लगे हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं ने भी इस बाबा धाम में दर्शन करने के बाद यह माना कि उनकी सभी मनोकामना पूरी हो जाती है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

अम्बिकापुर, शनिवार, 17 फरवरी 2024

संपादकीय

किसान फिर सड़क पर

किसान संगठन 'दिल्ली चलो' अभियान पर निकल पड़े हैं। इससे 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। तब आंदोलन से निपटने के सरकारी उपाय किसानों का हौसला तोड़ने में नाकाम रहे थे। क्या इस बार सरकार सफल होगी? किसान संगठनों की मांगों का ना सिर्फ वर्तमान सत्ताधारी पार्टी, बल्कि आज की पूरी पॉलिटकल इकॉनमी के साथ तीखा अंतर्विरोध है। इसलिए इसमें कोई हैरत की बात नहीं कि चंडीगढ़ में तीन केंद्रीय मंत्रियों की टीम के साथ इन संगठनों की बातचीत नाकाम हो गई। दोनों पक्षों में सहमति सिर्फ तभी बन सकती है, जब उनमें से कोई अपने बुनियादी प्रस्थान बिंदु से हटने को तैयार हो। सरकार तो संभवत: तब तक ऐसा नहीं करेगी, जब तक किसान अपने आंदोलन को इतना बड़ा ना बना दें, जिसका असर सत्ताधारी दल की चुनावी संभावनाओं पर महसूस होने लगे। दूसरी तरफ सरकार की मौजूदा नीतियों से किसान और कृषि अर्थव्यवस्था जिस तरह बदहाल हो रहे हैं, उसके बीच इन संगठनों के पास भी लंबी लड़ाई लड़ने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है। यही कारण है कि लगभग दो साल के अंतराल के बाद फिर एक बड़े किसान आंदोलन की शुरुआत हो गई है। कई किसान संगठन मंगलवार को अपने 'दिल्ली चलो' अभियान पर निकल पड़े हैं। इसके तहत हजारों किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर दिल्ली आने की तैयारी में हैं। इस बीच 16 फरवरी को किसान संगठन देश भर में ग्रामीण बंद का आयोजन करेंगे। उस रोज ट्रेड यूनियनें भी उनकी इस लड़ाई में शामिल होंगी। दस ट्रेड यूनियनों ने उस दिन हड़ताल पर जाने का एलान किया है। इस बीच दिल्ली प्रशासन ने किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए कई उपाय किए हैं। दिल्ली की सभी सीमाओं पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती गई है। सड़कों पर सीमेंट के बैरिकेड, कंटीली तारें और नुकीले उपकरणों को लगा दिया गया है। दिल्ली में एक महीने के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है, जिसके तहत किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन, जुलूस या यात्रा निकलना प्रतिबंधित कर दिया गया है। हरियाणा सरकार ने अलग से ऐसे उपाय किए हैं, जिससे किसानों को दिल्ली पहुंचने के पहले ही रोक दिया जाए। यानी 2020 का नजारा फिर से सामने आ खड़ा हुआ है। लेकिन तब ऐसे उपाय किसानों का हौसला तोड़ने में नाकाम रहे थे। क्या इस बार सरकार सफल होगी?

हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी से की मुलाकात

भारत सम्मान/अम्बिकापुर। आज दिनांक 13 फरवरी 2024 को सरगुजा जिले के ग्राम जजगा में हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के प्रतिनिधी मण्डल जिसमे रामलाल करियाम, मुनेश्वर पोर्ते, श्रीमती सुनीता पोर्ते, नरेंद्र आर्मो, सुरेंद्र करियाम, राजा छितिज उईके, आनंद राम खुसरो, आलोक शुक्ला सहित अन्य साथी शामिल रहे।

प्रतिनिधि मंडल ने सर्वप्रथम लेमरू हाथी रिजर्व जिससे हसदेव के16 कोल ब्लॉक संरक्षित हुए है, को अधिसूचित करने के लिए राहुल जी के प्रयास हेतु उन्हें धन्यवाद दिया। इसके बाद सरगुजा जिले में खनन परियोजनाओं को दी गई गैर कानूनी वन और पर्यावरण अनुमति, एवं जंगल के विनाश के मुद्दो को रखा गया। रामलाल करियाम ने ग्रामसभा का प्रस्ताव दिखाते हुए कहा कि फर्जी प्रस्ताव बनाकर परसा कोल ब्लॉक के लिए वन स्वीकृति हासिल की गई है। राज्यपाल के आदेश के बाद भी बिना जांच किए पेड़ो की कटाई की जा रही है। सुनीता पोर्ते ने कहा कि जंगल, जमीन से हमारी आजीविका और संस्कृति जुड़ी हुई है यदि यह उजड़ गया तो हमारा अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा।

आलोक शुक्ला ने हसदेव की जैव विविधता पर बात रखते हुए कहा कि स्वयं भारतीय वन्य जीव संस्थान ने हसदेव पर किए गए अध्ययन में कहा है कि यदि हसदेव में खनन की अनुमति दी गई तो बांगो बांध जिससे 4 लाख हेक्टेयर की सिंचाई होती है उसका अस्तित्व खत्म हो जायेगा और मानव हाथी संघर्ष इतना व्यापक होगा कि फिर कभी उसे सम्हाला नही जा सकता। सिर्फ निजी मुनाफे के लिए हसदेव का विनाश हो रहा है जबकि देश में 3.5 लाख टन कोयला हसदेव के बाहर है। आलोक ने कहा कि कांग्रेस और यूपीए सरकार के कार्यकाल में पेसा कानून, वनाधिकार कानून और भूमि अधिग्रहण कानून बनाए गए है जिनमे ग्रामसभा से अनिवार्य परामर्श और सहमति के प्रावधान शामिल हैं। जहां भी अदानी कंपनी की परियोजनाएं स्थापित हो रही हैं वहां इन कानूनों को बाईपास करके या उल्लंघन करके अनुमतियां हासिल की जा रही हैं। हसदेव में लग रहा है जैसे अडानी के लिए संविधान को ही निलंबित कर दिया गया है।

मुनेश्वर पोर्ते ने कहा कि पिछले 10 वर्षो से हमारा संघर्ष जारी है जब यह आंदोलन शुरू हुआ था तो हम लोग बच्चे थे । आज गांव को बचाने लड़ना पढ़ रहा है जबकि आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का दायित्व तो स्वयं राज्यपाल और सरकारों का है। कल भी दिनांक 12 फरवरी को कोरबा जिले के ग्राम मोरगा में हसदेव के ग्रामीणों ने जंगल बचाने के लिए मानव श्रृंखला बनाई थी। इस दरम्यान हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक उमेश्वर सिंह आर्मो से राहुल जी ने विस्तृत चर्चा की थी। राहुल जी के समक्ष प्रतिनिधि मंडल ने मांग रखी कि हसदेव को बचाने के संघर्ष में कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से साथ दे एवं हसदेव को खनन से मुक्त रखते हुए पुन: नो गो क्षेत्र बनाने का वादा अपने घोषणा पत्र में शामिल करें।

भगवान कण-कण में व्याप्त हैं, वह सर्व व्यापी हैं: पंडित दीपक कृष्ण महाराज

खरसिया। खरसिया के ग्राम दर्रामुड़ा में पटैल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन 15 फरवरी गुरुवार को कथा सुनाते हुए कथा वाचक पंडित दीपककृष्ण महाराज जी ने बताया की भगवान कण-कण में व्याप्त हैं, वह सर्व व्यापी हैं ! भगवान और मनुष्य के बीच कोई दूरी नहीं। जब भक्त को कोई संकट होता है तो भगवान किसी न किसी रूप में अवश्य प्रकट हो जाते हैं।

श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराते हुए कथा व्यास पंडित दीपककृष्ण बताते है कि किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण जाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखना चाहिए कि जहां आप जा रहे है वहां आपका, अपने इष्ट या अपने गुरु का अपमान हो। यदि ऐसा होने की आशंका हो तो उस स्थान पर जाना नहीं चाहिए। चाहे वह स्थान अपने जन्म दाता पिता का ही घर क्यों हो। कथा के दौरान सती चरित्र के प्रसंग को सुनाते हुए भगवान शिव की बात को नहीं मानने पर सती के पिता के घर जाने से अपमानित होने के कारण स्वयं को अग्नि में स्वाह होना पड़ा।

कथा में उत्तानपाद के वंश में ध्रुव चरित्र की कथा को सुनाते हुए समझाया की ध्रुव की सौतेली मां सुरुचि के द्वारा अपमानित होने पर भी उसकी मां सुनीति ने धैर्य नहीं खोया जिससे एक बहुत बड़ा संकट टल गया। परिवार को बचाए रखने के लिए धैर्य संयम की नितांत आवश्यकता रहती है। भक्त ध्रुव द्वारा तपस्या कर श्रीहरि को प्रसन्न करने की कथा को सुनाते हुए बताया कि भक्ति के लिए कोई उम्र बाधा नहीं है। भक्ति को बचपन में ही करने की प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि बचपन कच्चे मिट्टी की तरह होता है उसे जैसा चाहे वैसा पात्र बनाया जा सकता है।

कथा के दौरान उन्होंने बताया कि पाप के बाद कोई व्यक्ति नरकगामी हो, इसके लिए श्रीमद् भागवत में श्रेष्ठ उपाय प्रायश्चित बताया है। अजामिल उपाख्यान के माध्यम से इस बात को विस्तार से समझाया गया, साथ ही प्रह्लाद चरित्र के बारे में विस्तार से सुनाया और बताया कि भगवान नृसिंह रुप में लोहे के खंभे को फाड़कर प्रगट होना बताता है कि प्रह्लाद को विश्वास था कि मेरे भगवान इस लोहे के खंभे में भी है और उस विश्वास को पूर्ण करने के लिए भगवान उसी में से प्रकट हुए एवं हिरण्यकश्यप का वध कर प्रह्लाद के प्राणों की रक्षा की।

सातदिवसीय भागवत कथा का कथा वाचक पंडित दीपक कृष्ण महाराज जी ने महाभारत रामायण से जुड़े विभिन्न प्रसंग सुनाए। साथ ही उन्होंने कहा की परम सत्ता में विश्वास रखते हुए हमेशा सद्कर्म करते रहना चाहिए, सत्संग हमें भलाई के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। कथा में दर्रामुड़ा ग्राम और आसपास के सैकड़ों, हजारों ग्रामीण श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा लाभ ले रहे हैं।

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 09303890212 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
094242 62547
09303890212

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, शनिवार, 17 फरवरी 2024

केवरा हाई स्कूल की बाउंड्रीवाल चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

आखिर जिम्मेदार अधिकारी मौन क्यों ?

भारत सम्मान NEWS बुधवार 19 जनवरी 2022 2
संपादकीय
मान की उम्मीदवारी
केवरा हाई स्कूल की बाउंड्रीवाल चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट
आखिर जिम्मेदार अधिकारी मौन क्यों?
गत तीन वर्षों में किसान हित में लिए गए अनेक निर्णय, किसानों में आई खुशहालीः चंद्राकर
सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित कि
बेहतर उपचार से 2 दिनों में 441 कोविड मरीज हुए कोरोना संक्रमण से मुक्त
दृष्टिहीन मतदाताओं को वितरित की गई ब्रेल लिपि में मतदाता मार्गदर्शिका

भारत सम्मान/सूरजपुर/यूसुफ़ मोमिन। प्रतापपुर ब्लाक का बहुचर्चित ग्राम पंचायत केवरा में विगत तीन वर्षों से विवाद में रहने वाला बाउंड्री वाल स्कूल शिक्षा मद से लगभग 10 लाख रु की लागत से बाउंड्री वाल का निर्माण कराया जा रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत केवरा के सरपँच देवीशंकर के द्वारा मनमानी तरीके से सीमांकन करा कर अपने बोट बैंक की राजनीती करते हुवे आपने कुछ खास सम्बंधित लोगों के लिए शासकीय भूमि का कुछ हिस्सा छोड़कर बाउंड्रीवाल की नींव खुदवाया गया है।

जोकि काफी निंदा का विषय ग्राम पंचायत में बना हुवा है। वहीं दूसरी और कुछ ग्रामीणों के घर के सामने ही दीवार का निर्माण करा दिया गया है। बताया जा रहा है कि मापदंड में तो सिर्फ एक ही बाउंड्री वाल में दरवाजा बनाना है। किंतु जिस पद्धति से दीवाल उठाया गया है उसे देखने से यह साफ पता चलता है कि इस बाउंड्री में ना जाने कितने द्वार होंगे ज्ञात ही की बाउंड्री वॉल की स्वीकृति लगभग 2 वर्ष पूर्व ही मिलगईं थी और ग्राम पंचायत केवरा के सरपंच देवीशंकर सचिव राममूरत राम के द्वारा लगभग 3 लाख रु की राशि का आहरण भी किया जा चुका है। इतनी मोटी रकम निकालने के बावजूद भी वर्तमान समय तक बाउंड्रीवाल को कार्य मे तेजी नहीं लाया जा सका है।

इसमें कहीं ना कहीं किसी बड़े गबन की भी आशंका जताई जा सकती हैं जबकि अन्य ग्राम पंचायतों में बाउंड्री वॉल के कार्य पूर्ण हो चुका हैं। निर्माण कार्य को रोक रोक कर और मनमाने ढंग से सीमांकन करा कर जो निर्माण किया जा रहा है उसमें जांच की आवश्यकता है। यदि बाउंड्री वाल निर्माण की जांच निष्पक्ष तरीके से हो जाए तो ना जाने कितने तथ्यों से पर्दा हट जाएगा और विकास भी तेजी देखने को मिलेगी बाउंड्री वॉल निर्माण में जांच को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है और जल्द से जल्द जांच की ग्रामीणों के द्वारा मांग की जा रही हैं साथ है आंदोलन की चेतावनी भी दी जा रही हैं।

ज्ञात हों की उक्त खबर को लगातार भारत सम्मान ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था जिससे तहसीलदार की पूरी टीम ने भूमि का सीमांकन तो करा दिया किन्तु विभाग के द्वारा गुणवत्ता की जाँच नहीं की गई और अहाता निर्माण का कार्य पुनः प्रारम्भ किया गया किन्तु सरपंच सचिव का मनोबल इतना बढ़ा हुआ हैं की छाल्टी ईंटो से निर्माण कराया जा रहा हैं वहीं ग्रामीणों की माने तो मटेरियल भी मापदंड को तक में रख कर गुणवत्ता विहीन कार्य किया जा रहा हैं जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश हैं वहीं जिम्मेदार अधिकारी कुम्भकरणीय नींद में सो रहे हैं।

क्या पुलिस के मुखौटे में छुपा है गौ तस्करों का असल गुर्गा? पुलिस की कार्यशैली संदिग्ध?

वनांचल क्षेत्र बना गौ तस्करों का सुरक्षित पनाहगाह , जिम्मेदार विभागीय नुमाइंदों की सरपरस्ती में फल फूल रहा गौ तस्करी का अवैध कारोबार

रायगढ़। लैलूंगा चरखापारा मवेशी बाजार से बगुडेगा होते हुए राजपुर के रास्ते हीरापुर, भेलवांटोली, खम्हार, जामबाहर मार्ग से आगे होते हुए ढिटोरीआमा की ओर आगे बढ़ते हुए हांड़ीपानी बाजार लेकर जाते हैं। गौ तस्करी का यह सिलसिला लगभग रात 11ः30 बजे से सुबह 5ः00 तक चलता है। तस्करो के इशारे पर अलग अलग टोलियों में 700- 1000 रु की दिहाड़ी मजदूरी पर रात को अंधेरे में मवेशियों को मरते पीटते हुए लेकर जाते हैं। सूत्रो की माने तो स्थानीय पुलिस प्रशासन की सहयोग से यह होती है। यह गौ तस्कर पिछले कई वर्षों से सक्रिय हैं।

बता दें कि चरखापारा में सोमवार को बाजार लगता है और हांड़ीपानी में गुरुवार को बाजार लगता है एक दिन पहले ही गौ तस्कर मवेशियों को लेकर बाजार में पहुंच जाते हैं। जो स्थानीय पुलिस की आंख में धूल झोंकने दिहाड़ी मजदूरो के द्वारा क्रूरता पूर्वक मरते-पीटते बिना रुके पैदल हांकते ले जाते हैं मवेशीयो कोज

सूत्र बताते हैं कि थाने में पदस्थ कुछ पुलिसकर्मी जो लंबे समय से पदस्थ हैं। वह मवेशी तस्करों को सहयोग करते हैं, तथा इन्हीं

पुलिस कर्मियों के साथ गांठ से तस्करी को अंजाम दिया जा रहा है? सूत्रों ने आगे बताया कि पुराने पदस्थ पुलिसकर्मी ही अक्सर नए थानेदार को सेटिंग करता है? जिसकी उच्च अधिकारियों को भनक तक नहीं होती ?ज इस बड़े पैमाने पर हो रही गौ तस्करी के संबंध में जब दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के कुछ जनप्रतिनिधि एवं गौ सेवकों के द्वारा मीडिया को अवगत कराया गया तथा नाम न छापने की शर्त पर पूरे मामले से पर्दा उठाते हुए स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाया है, उन्होंने दावा किया है कि स्थानीय पुलिस की साठ गांठ से गौ तस्करी के अवैध कारोबार को धड़ल्ले से जारी है।

इस तरह के पुलिस पर लगे गंभीर आरोप और ग्रामीणों के दावे की पुष्टि करने के लिए जब हमारे संवाददाता के द्वारा रैरूमा चौकी प्रभारी और लैलूंगा थाना प्रभारी से बात की गई तथा गौ तस्करी के पूर्व ही उन्हें जिन गांव से होकर मवेशियों तस्करी की जा रही है उन्हें अवगत कराया गया तथा बड़े पैमाने पर हो रही तस्करी रोकने के लिए सूचना दी गई। देर रात तक पाल-पाल की अपडेट रैरूमा चौकी प्रभारी और लैलूंगा थाना प्रभारी के व्हाट्सएप पर भी दी गई तथा वीडियो भी साझा किया गया किंतु दूरभाष पर कार्यवाही का आश्वासन देने के बावजूद देर रात तक किसी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं हुई और सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात तकरीबन 1500 से 2000 के आसपास मवेशियों की सुबह 4ः00 बजे तक धड़ल्ले से तस्करी जारी थी। अगली सुबह खबर प्रशासन के पूर्व थाना प्रभारी पर लग रहे आरोपों से अवगत कराते हुए जब उन्हें दूरभाष पर संकल्प किया गया तो उन्होंने तिल मिलते हुए हमें धमकाने के लहजे से सूत्रों को सामने खड़े होने तथा मौके पर आकर साथ में मिलकर कार्यवाही करने की बात कही गई। अब सवाल यह उठता है की तस्करी के पूर्व ही जब दूरभाष पर सूचना दी गई थी तथा पाल-पाल की अपडेट दी जा रही थी तो आखिर कार्यवाही क्यों नहीं हुई? कार्यवाही न होने पर ग्रामीणों के लगाए गए गंभीर आरोपों को बल मिलता दिखाई दे रहा है। बहरहाल मवेशी तस्करी पर लगाम लगाने के लिए उच्च अधिकारियों के दिशा निर्देशों की स्थानीय थाना क्षेत्र के प्रभारी धज्जियां उड़ाते नजर आ रहे हैं। खबर प्रशासन के बाद यह देखना लाजमी होगा कि ग्रामीण वनांचल लैलूंगा और रैरूमा थाना क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय चल रहे जी तस्करों के हौसले बुलंद है आखिर इस पर लगाम लगाने के लिए शासन प्रशासन क्या कार्यवाही करती है।।

बालकाओं महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विधानसभा में गरजीं गोमती साय

जशपुर। जिले की पत्थलगाँव विधायक गोमत्ती साय ने आज फिर से विधानसभा में सख्त तेवर अपनाया हैं। जशपुर जिले में बालिकाओं और महिलाओं के लेकर हुए अपराधों और अपराधों को रोकने के लिए शासन द्वारा उठाये जा रहे कदम की जानकारी मांगी । विधायक गोमत्ती साय ने सदन में गृह मंत्री विजय शर्मा से पूछा कि जिला जशपुर में वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक थानों में कितने अपराध दर्ज हुए? बालिका तस्करी/गुमशुदा के अपराध किन-किन थानों में दर्ज हैं? बालिका तस्करी/गुमशुदा के कितने प्रकरणों में पुलिस की कार्यवाही से सफलता प्राप्त हुई? बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा क्या क्या कदम उठाये जा रहें है? विधायक साय के इन सवालों का जवाब देते हुए उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि जशपुर में भादवि के कुल 5780 अपराध दर्ज किये गये हैं। बालिका तस्करी/गुमशुदा के प्रकरणों में पुलिस द्वारा कुल 312 प्रकरणों में सफलता प्राप्त किया गया है। बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा सभी थाना/चौकी क्षेत्रों में लगातार सघन गश्त, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही एवं नशा विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। स्कूल/ कॉलेज एवं ऐसे स्थान जहाँ पर बालिकाओं एवं युवतियों की उपस्थिति प्रमुखता से होती है, उन जगहों पर जाकर उन्हें गुड टच बैड टच सायबर अपराध, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, आत्मरक्षा कानूनी अधिकार, महिला एवं चाइल्ड हेल्पलाइन आदि के बारे में विशेषज्ञ अथवा प्रशिक्षित महिला पुलिस अधिकारियों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में विधायक गोमती ने उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन से पूछा कि वर्ष 2020-21 से 2023-2024 तक कितने उद्योगों को स्थापित करने हेतु शासन द्वारा एम.ओ.यू किया गया है? उनमें से किन-किन उद्यागों द्वारा भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही की गई है? विकासखण्डवार, ग्राम पंचायतवार जानकारी दें? उद्योगों के द्वारा अधिग्रहीत की गई भूमि में से कितने लोगों को मुआवजा राशि का भुगतान किया गया है तथा किन-किन लोगों का भुगतान लम्बित है? विधायक के इस सवाल का जवाब देते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सदन को जानकारी दी कि वर्ष 2020-21 से 2023-24 तक जशपुर जिले में 01 इकाई के साथ उद्योग स्थापित करने हेतु शासन द्वारा एम.ओ.यू. किया गया है तथा जशपुर जिले में भूमि अधिग्रहण की कोई कार्यवाही नहीं की गई है।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS

90 एकड़ शहरी जमीन घोटाले मामले में जांच के लिए मुख्य मंत्री ने लिखा कलेक्टर को पत्र

गरीब परिवार की जमीनों का हो गया फर्जीवाड़ा,कई एकड़ जमीन फर्जी दस्तावेजों त्यार कर बेचा

भारत सम्मान/खुर्सिद कुरैसी/जशपुर। जमीन के कारोबारियों ने दूसरे की जमीन को फर्जीवाड़ा कर धड़ल्ले से बेच दिया है। विधवा महिलाओं की जमीन के दस्तावेज में छेड़छाड़ करके न जाने कितने एकड़ जमीन अबतक बेचे जा चुके हैं। काफी लंबे समय से चल रहे जमीन के खेल का मामला अब सीएम हाउस तक जा पहुंचा है और सीएम हाउस के निर्देश पर पूरे मामले की जाँच कराई जा रही है।जशपुरनगर के टेलीटोली की रहने वाली आवेदिकागण श्रीमती गंगामुनी बाई पिता दूहना एवं श्रीमती जानकी बाई पिता केहटा दोनों ने मिलकर पूरे मामले की शिकायत मुख्यमन्त्री से की है।

उन्होंने बताया कि दोनो आपस में मौसी बेटी है एवं ग्राम-जशपुर के तेली टोली वार्ड नं08 में निवास करती है।उनके परनाना एवं परदादा के नाम पर ग्राम-जशपुर एवं ग्राम-डीपाटोली, गिरांग, तह0 जशपुर में भूमि राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। अत्यंत गरीबी में गुजरी पीढ़ियों में इतनी मजबूरी भरा जीवन गुजरा की अपनी जीविका जुटाने में ही इतने उलझे रहे की अपनी शिक्षा पूरी नहीं कर सकें मगर यहां के भू माफियाओं की नजर इनकी जमीनों में गिद्ध की तरह पड़ चुकी थी और आखिर कार धीरे धीरे कर इन मजबूरों की ज्यायदाद को मिलकर फर्जी तरीके से बंदर बाट कर दिया । जिसमे सरकार के रक्षक जिन्हे इसकी रक्षा करने के बजाय इन जमीनों को फर्जीवाड़ा करने में लगे रहे और इसमें सफल हुए । इधर पीड़ित परिवार में प्रार्थी महिलाएं विधवा होकर अत्यन्त गरीबी में जीवन यापन कर रही है जिसके कारण उन्हें अपने पूर्वजों की भूमियों के संबंध में कोई जानकारी नहीं हुई और अत्यंत गरीबी हालत में आज भी तेली टोली जशपुर में निवास कर रही है। लगभग 02 माह पहले भू-माफियाओं के आपसी विवाद में पहली बार उन्हें पता चला कि उनके पूर्वजों के स्वामित्व की भूमि पर किसी व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। जिसकी जानकारी उन्होंने अपने पुत्र श्रीराम साहू जो वर्तमान में स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल जशपुर में शिक्षक के पद पर पदस्थ है उन्हें जानकारी दी तब उनके पुत्र के द्वारा अथक परिश्रम कर उक्त संबंध में राजस्व अभिलेखों की तलाश की गई तब उन्हें पता चला कि राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा उक्त भूमियों का बंदरबांट कर दिया गया है जिसमें वर्तमान में कई रसूखदार लोग काबिज है।

उन्होंने बताया कि हमारे परदादा झोली एवं दादा देवा सुकरा, बुचूवा के स्वामित्व की भूमि ग्राम-जशपुर 1. देवा वल्द झोली ख0नं0 400 रकबा 0.17 हे0, ख0नं0 487 रकबा 2.49 हे0, ख0नं0 469 रकबा 1.16 हे0, 2. सुकरा वल्द झोली ख0नं0 411 रकबा 0.07 हे0, 3. बुचूवा वल्द झोली ख0नं0 487 रकबा 2.15 है0, ख0नं0 489 रकबा 0.91 हे0, ख0नं0 594 रकबा 1.37 हे0, ख0नं0 1047 रकबा 3.60 हे0, ख0नं0 1054 रकबा 2.48 हे0, ख0नं0 1055 रकबा 0.37 हे0 तथा हमारे परनाना 4. श्री गन्दरा के पुत्र श्री सुखराम के स्वामित्व की भूमि ख0नं0 378 रकबा 1.71 हे0, ख0नं0 415 रकबा 1.032 हे0, ख0नं0 425 रकबा 0.49 हे0, ख0नं0 460 रकबा 1.06 हे0, 5. श्री हुसैनी वल्द मोदी के स्वामित्व की भूमि ख0नं0 403 रकबा 0.32 हे0, ख0नं0 548 रकबा 0.93 हे0, ख0नं0 162 रकबा 2.28 हे0, 6. श्री डिबलू वल्द चुनिया की भूमि ख0नं0 182/6 रकबा 2.45 हे0, ख0नं0 167/7 रकबा 0.70 हे0, 7. श्री घुरवा वल्द सोकरा की भूमि ख0नं0 401 रकबा 0.21 हे0, ख0नं0 402 रकबा 0.16 हे0 8. श्री सुखू वल्द जैमनाथ ख0नं0 1049 रकबा 0.19 हे0, 9. श्री हसनू वल्द अपाली ख0नं0 1050 रकबा 0.37 हे0, कुल रकबा 27.33 हे0 भूमि 10. श्री जटा वल्द लकी ख0नं0 415 रकबा 0.72 हे0, ख0नं0 454 रकबा 0.66 हे0, ख0नं0 466 रकबा 3.34 हे0, ख0नं0 488 रकबा 0.26 हे0, ख0नं0 490 रकबा 0.77 हे0, ख0नं0 522/1 रकबा 1.78 हे0, ख0नं0 541 रकबा 0.78 हे0, ख0नं0 557 रकबा 0.68 हे0 (कुल 36.3 है0) भूमि के राजस्व अभिलेखों में कर उक्त भूमियों का राजस्व अधिकारियों के द्वारा बंदरबांट करने भूमिहीन कर दिया गया।

बहरहाल 89 एकड़ जमीन के दस्तावेजों के साथ छेड़छाड़ कर जमीन का अवैध कारोबार चलाने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ बहुत जल्द कार्रवाई हो सकती है क्योंकि शिकायत के बाद सीएएम हाउस द्वारा कलेक्ट को लेटर जारी कर पूरे मामले की सूक्ष्मता पूर्वक जाँच करने करने के निर्देश दिए हैं। देखने वाली बात ये है कि इतने बड़े हेर फेर के मामले में प्रशासन क्या कार्रवाई करता है। मामले में पीड़ित परिवार का कहना है की हमे जब से जानकारी मिली है तभी से ही हम इसके लिए हर संभव प्रयास कर रहे है, मुख्य मंत्री जी का लेटर आने के बाद हमारा विश्वास और भी बढ़ गया है निश्चित इस पर जिला प्रशासन कारवाही करेगी।

शासकीय कार्यक्रम में दिखाई दे रही राजनैतिक कटुता

सरपंच सचिव जनपद सदस्य को नहीं किया जा रहा आमंत्रित

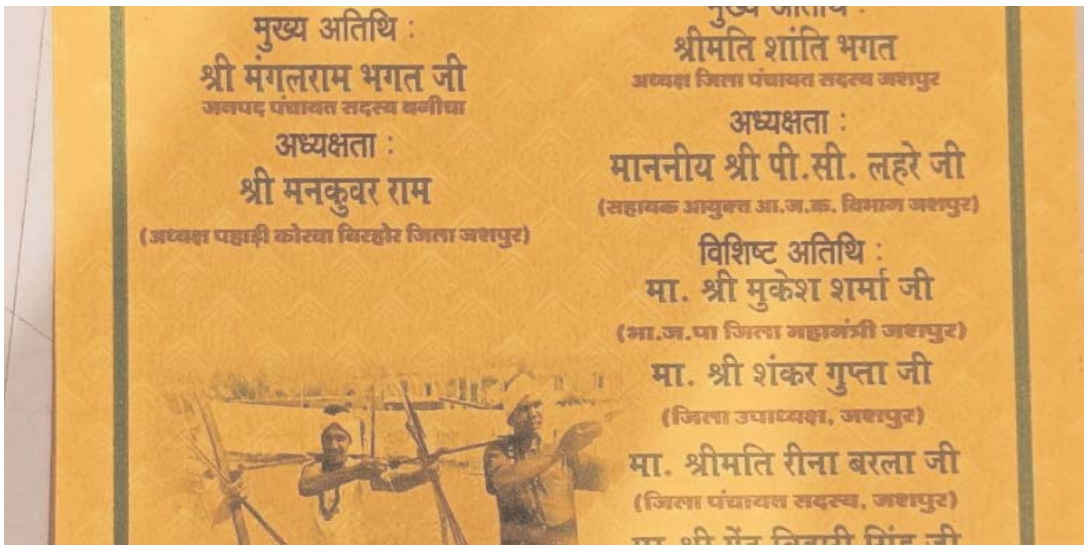

भारत सम्मान/जशपुर।बिपिन सिंह। जशपुर जिले के विकासखण्ड मुख्यालय बगीचा अंतर्गत ग्राम पंचायत पण्ड्रापाठ में आज से पहाड़ी कोरवा एवं बिरहोर जाति के पारंपरिक खेलकूद तथा संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हुए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है! कार्यक्रम में युं तो कई गणमान्य राजनेताओं तथा जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है किन्तु जिस स्थान पर या जिस ग्राम पंचायत क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित है ना तो वहां के ग्राम पंचायत सरपंच को निमंत्रण दिया गया है ना ही ग्राम पंचायत सचिव को जबकि ग्राम पंचायत के सभी जिम्मेदारियों के निर्वहन का जिम्मा इन्हीं दो पदाधिकारियों के उपर होता है!

जिस प्रकार से कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का नाम लिखा या लिखवाया गया है ये बात पुरी तरह से राजनीतिक धुर्वीकरण से प्रेरित लग रही है क्योंकि आमंत्रण पत्र में क्षेत्र के जनपद सदस्य का भी नाम ना रहना या जनता के द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि को आमंत्रित न करना सिर्फ और सिर्फ राजनेताओं के राजनैतिक कटुता को दर्शा रहा है! और हद तो तब हो गई जब राजनीतिक गलियारों में इस बात की सुगबुगाहट शुरू होते ही संबंधित विभाग के द्वारा आनन फानन में दुबारा आमंत्रण पत्र छपवाया गया!

अब यहां सवाल यह उठ रहा है कि दुबारा आमंत्रण पत्र छपने के बाद भी पाठक्षेत्र के कद्दावर भाजपा नेता साथ ही पण्ड्रापाठ मंडल अध्यक्ष हरिशंकर यादव जी के नाम को जगह क्यों नहीं दिया गया है ? अब जिस तरह अच्छे खासे प्रशासनिक कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र छपाई में छिछालेदर की गई है उससे पाठक सहज ही अंदाजा लगा सकते हैं कि जिले के शासकीय कार्यक्रमों में किस तरह राजनैतिक प्रतिद्वंदता को भुनाया जा रहा है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547